RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –III GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **Public Administration**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. चेस्टर बर्नाड के अनुसार प्रतिफल (Incentives) कितने प्रकार के हो सकते हैं ?

उत्तरः- चेस्टर बर्नाड के अनुसार प्रतिफल दो प्रकार के हैं -

1) सामान्य प्रोत्साहन (अभौतिक) - उदाहरण - प्रशंसा, भागीदारी इत्यादि ।

2) विशिष्ट प्रोत्साहन (भौतिक) - उदाहरण - धन, लाभ संबंधी अवसर इत्यादि ।

2. उत्तरदायित्व (Accountablity) को परिभाषित कीजिए ?

उत्तरः- सत्ता की नैतिक जवाबदेही उत्तरदायित्व है, जिसका उद्देश्य प्रशासन की कार्यकुशलता व प्रभावशीलता में वृद्धि करना हैं। इसमें सार्वजनिकता व बाध्यता का तत्त्व सम्मिलित होता हैं।

3. **प्राधिकार की 'स्वीकृति विचारधारा' (Acceptence theory of authority) को समझाइये ?**

उत्तरः- बर्नाड के इस सिद्धांत के अनुसार सत्ता अधीनस्थों की स्वीकृति पर निर्भर करती है व सत्ता का प्रवाह निम्न स्तर से उच्च स्तर की ओर होता हैं।

सत्ता का प्रवाह

4. **फॉलेट द्वारा प्रतिपादित 'रचनात्मक संघर्ष' से क्या आशय हैं ?**

उत्तरः- फॉलेट के अनुसार संगठन में मतभेद अनिवार्य रूप से होते है जिन्हें दूर करने के लिए तीन उपाय किये जा सकते हैं 1. प्रभुत्व 2. समझौता 3. एकीकरण (नवीन समाधान-सर्वश्रेष्ठ उपाय) । इसे ही रचनात्मक संघर्ष कहा गया ।

5. **प्रशासनिक विकास (Administrative Development) व विकास प्रशासन (Development Administration) में अन्तर कीजिए ?**

उत्तरः-

प्रशासनिक विकास	विकास प्रशासन
▪ प्रशासन को सुदृढ़ बनाने वाले उपाय से संबंधित ▪ उदाहरण - दक्षता, योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, संरचनात्मक सुधार इत्यादि ।	▪ नागरिकोन्मुखी व राष्ट्र के समावेशी विकास से संबंधित प्रक्रिया ▪ उदाहरण - सवेदनशीलता में वृद्धि पारदर्शिता, ई-गर्वनस इत्यादि

6. **प्रबंधन मे मेरी पार्कर फॉलेट के योगदान पर टिप्पणी कीजिए ?**

उत्तर :- मेरी पार्कर फॉलेट ने प्रबंधन के प्रगतिशील विचार प्रस्तुत किये, परिणामस्वरूप इन्हें 'प्रबंधन की भविष्य वक्ता' की उपमा दी गई । इन्होंने संगठन को सामाजिक व्यवस्था व प्रबंधन को सामाजिक प्रक्रिया की संज्ञा दी व मतभेदों को अपरिहार्य माना। मतभेदों को दूर करने के लिए रचनात्मक संघर्ष (प्रभुत्व, समझौता व एकीकरण- सर्वश्रेष्ठ) का सिद्धांत दिया । आदेशों का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत संगठन में परिस्थिति के अनुरूप स्वतः आदेश व निर्वैयक्तिकरण जैसे तत्वों का समावेश करता हैं । इन्होनें कार्यात्मक सत्ता को श्रेष्ठ बताया, जिसमें कार्य आधारित नेतृत्व शैली का अनुसरण किया जाता है, इसके अतिरिक्त नेता व समूह के मध्य संबंधों को 'नेतृत्व के वृत्ताकार व्यवहार' के द्वारा स्पष्ट किया।

7. **प्रबंधन में मानव संबंध सिद्धांत (Human Relation Theroy) के पश्चात क्या परिवर्तन आये ?**

उत्तरः- मेयो द्वारा प्रतिपादित मानव संबंध सिद्धांत से संगठन में मानव-संबंधों की महत्ता स्पष्ट हुई। प्रबंधन में मानवीय पक्ष को सम्मिलित किया गया जिससे अनुपस्थितिवाद, कुण्ठा जैसी समस्याओं का समाधान हुआ एवं उत्पादकता में वृद्धि होने लगी। संगठन में भागीदारी प्रबंधन से कार्मिको को प्रोत्साहन दिया जाने लगा व अनौपचारिक संबंधों की प्राकृतिक उपस्थिति को स्वीकार किया गया एवं इन संबंधों का अनुकूलतम लाभ प्राप्त करने हेतु प्रयास किये जाने लगे । इस प्रकार से कार्मिकों में संतुष्टि व संगठन से जुड़ाव में वृद्धि हुई एवं परिणामस्वरूप संगठन की प्रभावशीलता में भी वृद्धि हुई ।

8. चेस्टर बर्नाड के प्रबंधन संबंधी विचारों पर टिप्पणी कीजिए ?

उत्तर:- प्रबंधन के प्रथम व्यवहारवादी विचारक बर्नाड के प्रबंधन संबंधी सिद्धांतों में सर्वप्रमुख विचार संगठनों की प्रकृति से संबंधित विचार है जिसके अनुसार संगठन को दो प्रकारों में वर्गीकृत किया गया हैं (i) औपचारिक संगठन (सहकारी व्यवस्था - संचार, उद्देश्य व सहयोग पर आधारित) व (ii) अनौपचारिक संगठन (प्राकृतिक व्यवस्था के रूप में) । बर्नाड ने योगदान-प्रतिफल संतुलन का सिद्धांत दिया जो कार्मिकों के मनोबल में वृद्धि का कारक हैं। प्राधिकार स्वीकृति विचारधारा के अनुसार अधीनस्थों की स्वीकृति के रूप में सत्ता का प्रवाह नीचे से ऊपर की ओर होता हैं एवं तटस्था के क्षेत्र में आदेश देने को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया।

बर्नाड ने सर्वप्रथम संचार व निर्णय संबंधी अवधारणाएँ दी। बर्नाड ने निर्णय के दो प्रकार बताये- व्यक्तिगत व सांगठनिक निर्णय एवं सांगठनिक निर्णयन व रणनीतिक घटकों पर बल दिया। संचार को बर्नाड ने संगठन के प्राथमिक सिद्धांत की संज्ञा दी एवं कुशल संचार प्रक्रिया हेतु 7 सिद्धांत दिये। बर्नाड ने कार्यपालिका के मुख्यतः तीन कार्य (उद्देश्य निर्धारण, सहयोग प्राप्ति व संचार) बताये एवं नेता के 4 गुणों का वर्णन किया, जिनमें निर्णय निर्माण क्षमता, सहनशीलता, समझाने की क्षमता एवं उत्तरदायित्व का भाव सम्मिलित हैं। निष्कर्षतः बर्नाड ने प्रभावी प्रबंधन हेतु विभिन्न आयामों से संबंधित विचारों का प्रतिपादन किया ।